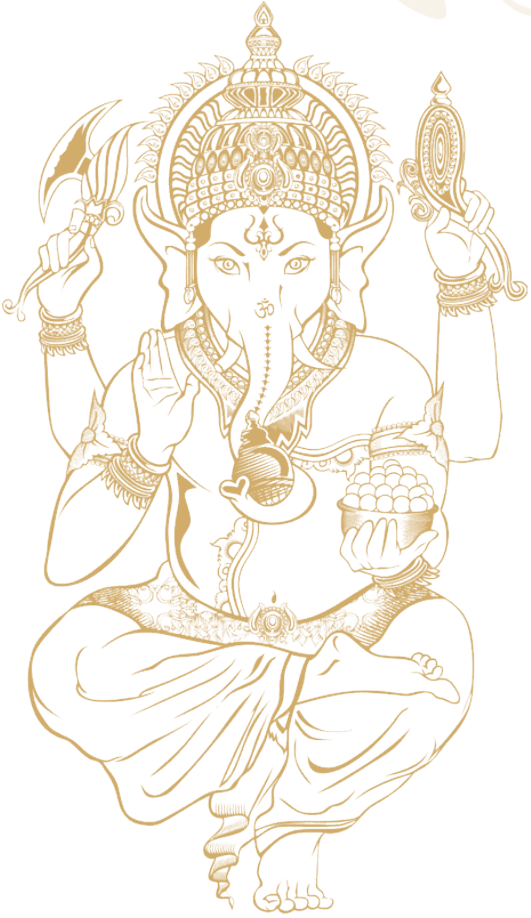

Mr. Gaurav

Ms. Candrika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119785901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119785901

Date: 15/10/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 27/11/1997 | जन्म तिथि | 16/11/2000 |
| गुरुवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 20:05:00 | जन्म समय | 08:24:00 घंटे |
| घटी 35:19:04 | जन्म समय(घटी) | 06:24:20 घटी |
| India | देश | India |
| Calcutta | स्थान | Gorakhpur |
| 22:30:00 उत्तर | अक्षांश | 26:45:00 उत्तर |
| 88:20:00 पूर्व | रेखांश | 83:23:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:23:20 | स्थानिक संस्कार | 00:03:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:57:22 | सूर्योदय | 06:16:59 |
| 16:51:13 | सूर्यास्त | 17:05:32 |
| 23:49:34 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:52 |
| मिथुन | लग्न | वृश्चिक |
| बुध | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| तुला | राशि | मिथुन |
| शुक्र | राशि-स्वामी | बुध |
| स्वाति | नक्षत्र | पुनर्वसु |
| राहु | नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| 2 | चरण | 3 |
| शोभन | योग | शुभ |
| वणिज | करण | तैतिल |
| रे-रेवती | जन्म नामाक्षर | हा-हर्षा |
| धनु | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |
| शूद्र | वर्ण | शूद्र |
| मानव | वश्य | मानव |
| महिष | योनि | मार्जार |
| देव | गण | देव |
| अन्त्य | नाड़ी | आद्य |
| मृग | वर्ग | मेष |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **राहु 9वर्ष 9मा 22दि** | | 27:34:39 | मिथु | लग्न | वृश्चि | 26:53:52 | **गुरु 7वर्ष 8मा 8दि** | |
| **शनि** | | 11:33:35 | वृश्चि | सूर्य | वृश्चि | 00:11:21 | **शनि** | |
| **20/09/2023** | | 12:43:59 | तुला | चंद्र | मिथु | 26:55:32 | **25/07/2008** | |
| **19/09/2042** | | 20:08:39 | धनु | मंगल | कन्या | 13:31:49 | **26/07/2027** | |
| शनि | 22/09/2026 | 03:02:02 | धनु | बुध | तुला | 11:01:07 | शनि | 29/07/2011 |
| बुध | 02/06/2029 | 22:12:43 | मक | गुरु व | वृष | 13:53:34 | बुध | 07/04/2014 |
| केतु | 11/07/2030 | 26:31:38 | धनु | शुक्र | धनु | 09:45:54 | केतु | 17/05/2015 |
| शुक्र | 10/09/2033 | 20:01:39 | मीन व | शनि व | वृष | 03:54:14 | शुक्र | 17/07/2018 |
| सूर्य | 23/08/2034 | 22:38:46 | सिंह व | राहु | मिथु | 22:54:20 | सूर्य | 29/06/2019 |
| चन्द्र | 23/03/2036 | 22:38:46 | कुंभ व | केतु | धनु | 22:54:20 | चन्द्र | 27/01/2021 |
| मंगल | 02/05/2037 | 11:43:19 | मक | हर्ष | मक | 23:12:35 | मंगल | 08/03/2022 |
| राहु | 08/03/2040 | 04:01:14 | मक | नेप | मक | 10:12:14 | राहु | 12/01/2025 |
| गुरु | 19/09/2042 | 11:38:28 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 18:09:54 | गुरु | 26/07/2027 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:49:34 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:52**

### लग्न-चलित

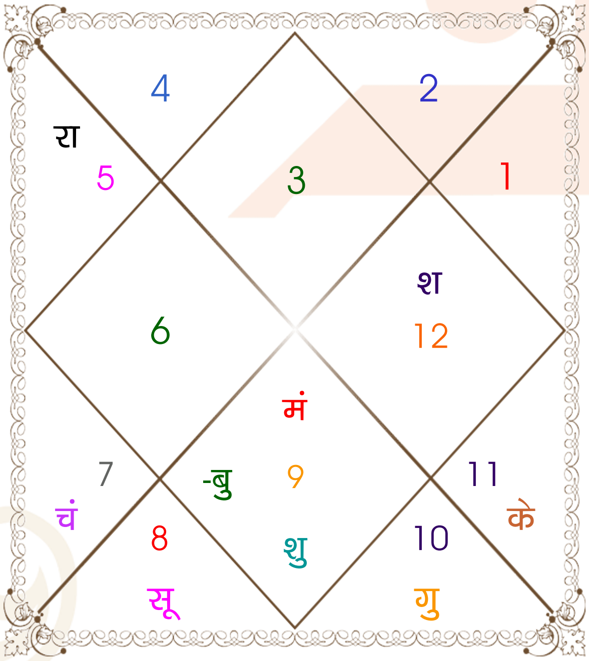

### लग्न-चलित

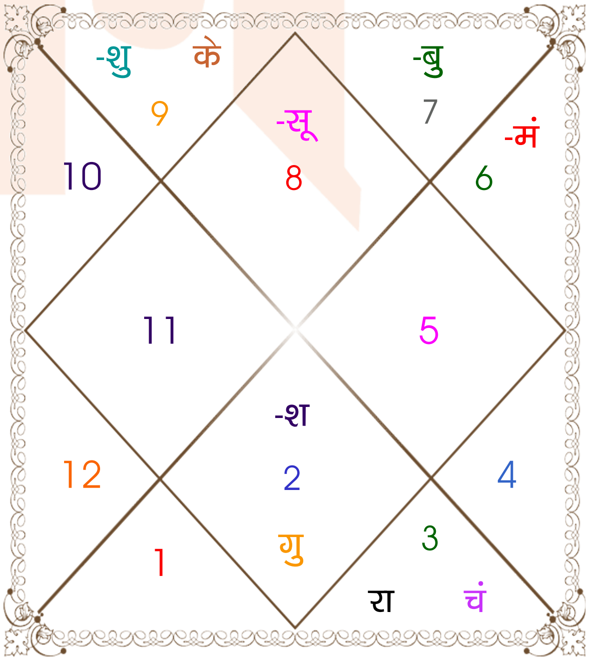

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | मानव | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | महिष | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | बुध | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | तुला | मिथुन | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.00 | | |

कुल : **27 / 36**

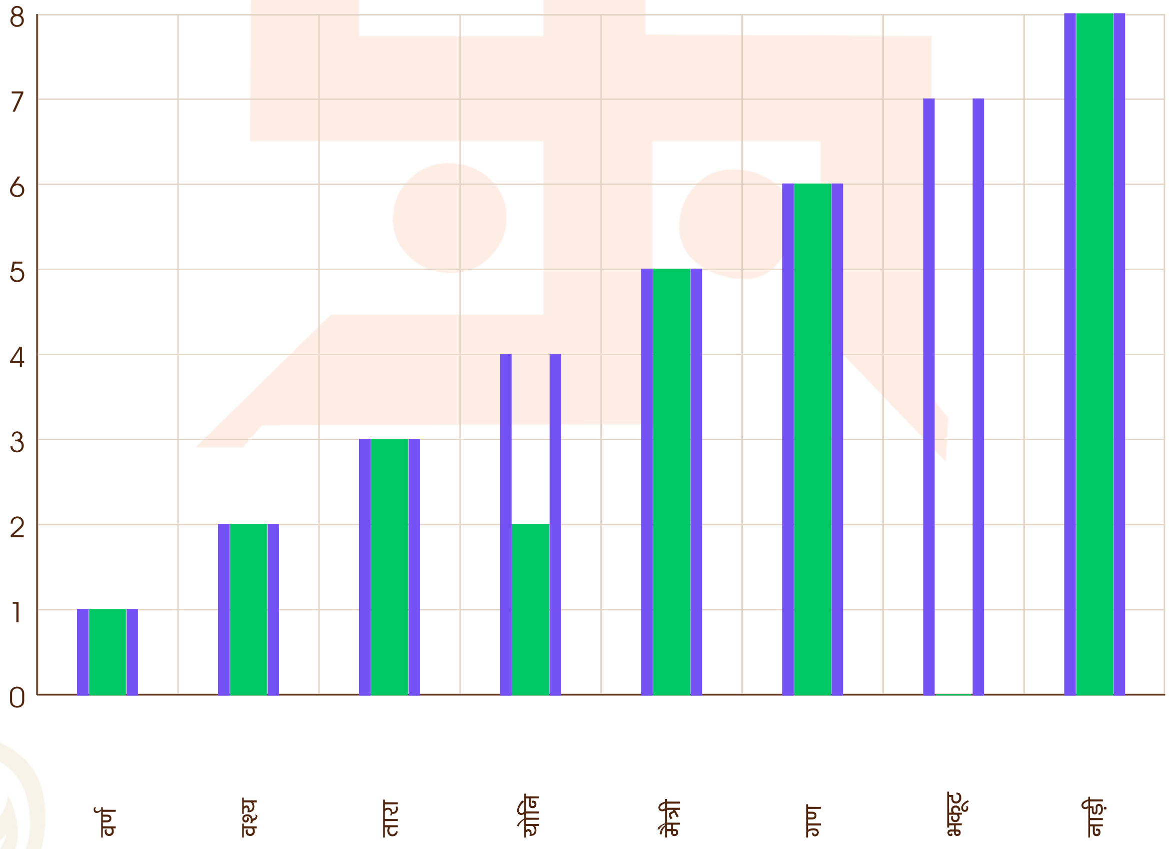

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Gaurav का वर्ग मृग है तथा Ms. Candrika का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Gaurav और Ms. Candrika का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. Gaurav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. Candrika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं  अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. Candrika कि कुण्डली में  सप्तम्  भाव में स्थित है  अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि  मंगल  Ms. Candrika कि कुण्डली में  एकादश  भाव में  स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Gaurav तथा Ms. Candrika में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mr. Gaurav का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Candrika का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

## वश्य

Mr. Gaurav का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Candrika का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. Gaurav एवं Ms. Candrika दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

## तारा

Mr. Gaurav की तारा अतिमित्र तथा Ms. Candrika की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr. Gaurav  हमेशा Ms. Candrika के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

## योनि

Mr. Gaurav की योनि महिष है तथा Ms. Candrika की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Gaurav एवं Ms. Candrika दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Gaurav एवं Ms. Candrika के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. Gaurav एवं Ms. Candrika जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

Mr. Gaurav का गण देव तथा Ms. Candrika का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

### भकूट

Mr. Gaurav से Ms. Candrika की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms. Candrika से Mr. Gaurav की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr. Gaurav की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

## नाड़ी

Mr. Gaurav की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Candrika की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. Gaurav की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. Candrika की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mr. Gaurav की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms. Candrika की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। अतः इसके प्रभाव से Mr. Gaurav और Ms. Candrika के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः परस्पर संबधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. Gaurav की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms. Candrika की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित है सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम मानी गई है। इसके प्रभाव से Mr. Gaurav और Ms. Candrika का परस्पर स्नेह सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे। वे एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे Mr. Gaurav और Ms. Candrika का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. Gaurav और Ms. Candrika की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा यदा कदा परस्पर संबधों में अनावश्यक वैमनस्य तथा विरोध का भाव भी परिलक्षित होगा। साथ ही परस्पर अंहकार की भावना की प्रबलता रहेगी जिससे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में परेशानी की अनुभूति करेंगे। यदि संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक उपरोक्त भावों की उपेक्षा करें तो Mr. Gaurav और Ms. Candrika का वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr. Gaurav और Ms. Candrika दोनों का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. Gaurav और Ms. Candrika दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता में समानता रहेगी तथा अपने कार्यो को बिना किसी वरीयता के ईमानदारी एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। फलतः Mr. Gaurav और Ms. Candrika का कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

## धन

Mr. Gaurav का जन्म अतिमित्र तथा Ms. Candrika का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Ms. Candrika एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Ms. Candrika के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Mr. Gaurav और Ms. Candrika आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Mr. Gaurav और Ms. Candrika को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

## स्वास्थ्य

Mr. Gaurav का अन्त्य तथा Ms. Candrika का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Ms. Candrika के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Ms. Candrika को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Gaurav और Ms. Candrika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Gaurav और Ms. Candrika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Candrika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Candrika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Candrika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Gaurav और Ms. Candrika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Gaurav और Ms. Candrika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Ms. Candrika के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms. Candrika भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms. Candrika भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms. Candrika को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

## ससुराल-श्री

Mr. Gaurav की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr. Gaurav सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr. Gaurav ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr. Gaurav के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।